# संकट मोचन पाठ

## Sankat Mochan Hanuman Ashtak | **संकट मोचन पाठ**

बाल समय रवि भक्षी लियो तब,

तीनहुं लोक भयो अंधियारों ।

ताहि सों त्रास भयो जग को,

यह संकट काहु सो जात न टारो ।

देवन आनि करी बिनती तब,

छाड़ी दियो रवि कष्ट निवारो ।

**को नहीं जानत है जग में कपि संकट मोचन नाम तिहारो** - १

बालि की त्रास कपीस बसें गिरि,

जात महाप्रभु पंथ निहारो ।

चौंकि महामुनि साप दियो तब,

चाहिए कौन बिचार बिचारो ।

कैद्विज रूप लिवाय महाप्रभु,

सो तुम दास के सोक निवारो ।।

**को नहीं जानत है जग में कपि संकट मोचन नाम तिहारो** - २

अंगद के संग लेन गए सिय,

खोज कपीस यह बैन उचारो ।

जीवत ना बचिहौ हम सो जु,

बिना सुधि लाये इहाँ पगु धारो ।

हेरी थके तट सिन्धु सबे तब,

लाए सिया-सुधि प्राण उबारो ।।

**को नहीं जानत है जग में कपि संकट मोचन नाम तिहारो** - ३

रावण त्रास दई सिय को सब,

राक्षसी सों कही सोक निवारो ।

ताहि समय हनुमान महाप्रभु,

जाए महा रजनीचर मरो ।

चाहत सीय असोक सों आगि सु,

दै प्रभुमुद्रिका सोक निवारो ।।

**को नहीं जानत है जग में कपि संकट मोचन नाम तिहारो** - ४

बान लाग्यो उर लछिमन के तब,

प्राण तजे सूत रावन मारो ।

लै गृह बैद्य सुषेन समेत,

तबै गिरि द्रोण सु बीर उपारो ।

आनि सजीवन हाथ दिए तब,

लछिमन के तुम प्रान उबारो ।।

**को नहीं जानत है जग में कपि संकट मोचन नाम तिहारो** - ५

रावन जुध अजान कियो तब,

नाग कि फाँस सबै सिर डारो ।

श्रीरघुनाथ समेत सबै दल,

मोह भयो यह संकट भारो ।

आनि खगेस तबै हनुमान जु,

बंधन काटि सुत्रास निवारो ।।

**को नहीं जानत है जग में कपि संकट मोचन नाम तिहारो** - ६

बंधू समेत जबै अहिरावन,

लै रघुनाथ पताल सिधारो ।

देबिन्हीं पूजि भलि विधि सों बलि,

देउ सबै मिलि मन्त्र विचारो ।

जाये सहाए भयो तब ही,

अहिरावन सैन्य समेत संहारो ।।

**को नहीं जानत है जग में कपि संकट मोचन नाम तिहारो** - ७

काज किये बड़ देवन के तुम,

बीर महाप्रभु देखि बिचारो ।

कौन सो संकट मोर गरीब को,

जो तुमसे नहिं जात है टारो ।

बेगि हरो हनुमान महाप्रभु,

जो कछु संकट होए हमारो ।।

**को नहीं जानत है जग में कपि संकट मोचन नाम तिहारो** - ८

।। दोहा ।।

लाल देह लाली लसे, अरू धरि लाल लंगूर ।

वज्र देह दानव दलन, जय जय जय कपि सूर

https://Hanumanchalisalyrics.pro